

हिन्दुस्तान

तरकी को चाहिए नया नजरिया

शनिवार, 01 दिसंबर 2012, बैली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, जगर

www.livehindustan.com

छात्रों को बताए मृदा संरक्षण के तरीके

बोल्डी। श्री गमगृहि स्मारक कालेज आफ इन्डिनस्ट्रिंग एंड टेक्नोलॉजी में चल रही इंसाकर 2012 के मौके पर छात्रों को मदर अर्थ शान मिट्टी के संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया गया। पवारणाविद प्रो. दिनेश कुमार ने मदर अर्थ पर चर्चा करते हुए बताया कि पृथ्वी पर सूख उपजाऊ थेज़ है, लिहाजा हमें उस क्षेत्र का सदृश्योग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष 25 लाख टन कृपटी मदा धरण हो जाती है। इसलिए मदा संरक्षण के उपायों को जानना जरूरी है। उन्होंने पर्यावरण के संरक्षण के लिए कई तरीके भी सुझाए। आईआईटी पांचपों रुहेलखंड विश्वविद्यालय के डा. प्रभाकर गुला ने छात्रों को वीडियो द्वारा मौजूद के इतिहास व विकास से बारे में जानकारी दी। सही उत्तर देने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया।